साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 2 | अंक : 33 | गोंदिया : गुरुवार, 24 से 30 मार्च 2022 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

नप को करोड़ों का चुना लगा रहे कोचिंग क्लास संचालक

शहर में २०० से अधिक कोचिंग क्लास । मात्र दो का ही मिल रहा कमर्शियल टेक्स । क्या नगर परिषद का चलेगा चाबुक टेक्स ?

अग्रवाल (बुलंद गोंदिया) - नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत किसी भी प्रकार की कमर्शियल प्रतिष्ठानों पर नगर परिषद के नियमानुसार व्यवसायिक टेक्स लगाया जाता है। किंतु गोंदिया शहर में करोड़ों का व्यवसाय करनेवाली कोचिंग क्लासेस जो करीब 200 से अधिक हैं, जिसमें से मात्र एक या दो कोचिंग क्लास संचालकों द्वारा कमर्शियल टेक्स जमा किया जा रहा है। अन्य कोचिंग क्लास संचालकों द्वारा प्रतिवर्ष नगर परिषद के करोड़ों रुपए के संपत्ति कर की चोरी की जा रही है। तो क्या इस पर नगर परिषद प्रशासन द्वारा कार्रवाई कर बरसों से चला रहे कोचिंग क्लास संचालकों से कमर्शियल टेक्स की वसूली की जाएंगी?

गौरतलब है कि शिक्षा अब व्यवसायिक रुप ले चुकी है। जिसमें मुख्य रुप से निजी कोचिंग क्लासेस पूर्ण रुप से व्यवसायिक मानी जाती है। किंतु निजी कोचिंग चलानेवाले संचालकों द्वारा अपने प्रतिष्ठानों का नगर परिषद टेक्स व्यवसायिक का न देते हुए निवास स्थान का ही संपत्ति कर भर रहे हैं। शहर में चलनेवाली कोचिंग क्लासेस की जानकारी भी नगर परिषद प्रशासन को उपलब्ध नहीं कराई गई है। साथ ही नगर परिषद के क्षेत्र के अंतर्गत कोचिंग क्लास चलाने के लिए नगर परिषद से नियमानुसार लाइसेंस भी नहीं लिया गया है। इस संदर्भ में नगर परिषद टेक्स विभाग से जानकारी प्राप्त किए जाने पर पता चला कि गोंदिया शहर में मात्र दो कोचिंग क्लासेस ही चल रही है, जिनका संपत्ति कर व्यवसायिक रुप से नगर परिषद में जमा किया जा रहा है।

शहर में 200 से अधिक कोचिंग क्लासेस

गोंदिया शहर में लगभग 200 से अधिक निजी कोचिंग क्लासेस चल रही है। जिसमें अधिकांश कोचिंग क्लासेस निजी निवासी स्थानों पर चलाई जा रही है। जबकि शासन के नियमानुसार निवासी स्थान पर यदि व्यवसायिक गतिविधी शुरु की जाती है तो उसका संपत्ति कर व्यवसायिक रुप से जमा कराना होता है। किंतु गोंदिया के कोचिंग क्लास संचालकों द्वारा जो स्वयं विद्यार्थियों को शिक्षा का पाठ पढ़ाते हुए देश के एक सच्चे नागरिक बनाने का कर्तव्य निभा रहे हैं, ऐसे शिक्षकों द्वारा ही शासन को चुना लगाते हुए नगर परिषद के टेक्स की चोरी कर रहे हैं।

कोरोना काल में भी धड़ल्ले से शुरु रही कोचिंग क्लासेस

कोरोना संक्रमण काल के दौरान शासन द्वारा स्कूलों, कॉलेजों को बंद कर, कोचिंग क्लासेस पर भी प्रतिबंध लगाया गया था। किंतु गोंदिया शहर में संक्रमण काल के दौरान भी धड़ल्ले से कोचिंग का गोरखधंधा निरंतर चलता रहा। इन कोचिंग क्लासेस में प्रतिदिन कक्षाएं लगती रही।

कुकुरमुत्तों की तरह चल रही कोचिंग क्लासेस

गोंदिया शहर में जितनी शासकीय व निजी स्कूल-कॉलेज नहीं है, उससे कई गुना अधिक कोचिंग क्लासेस चल रही है। कक्षा दसवीं बोर्ड के पूर्व ही सातवीं, आठवीं के विद्यार्थियों को कोचिंग क्लास लगाने के लिए मजबूर किया जाता है। जिसके चलते शहर के सभी प्रमुख स्थानों में कुकुरमुत्तों की तरह कोचिंग क्लासेस उग आई है।

बोर्ड के परीक्षा परिणाम आते ही शहर में सफलता का प्रचार

10वीं, 12वीं कक्षा के सीबीएसई और स्टेट बोर्ड के परीक्षा परिणाम घोषित होते ही तथाकथित कोचिंग क्लासेस द्वारा शहर में बड़ी-बड़ी होल्डिंग लगाकर अपने विद्यार्थियों की सफलता का प्रचार किया जाता है, कि इनकी कोचिंग में पढ़नेवाला विद्यार्थी ही सफल हो रहा है। कोचिंग क्लास में नहीं पढ़नेवाला विद्यार्थी परीक्षा में असफल हो रहा है। इस प्रकार का प्रचार कर विद्यार्थियों व पालकों को भ्रमित किया जाता है। उनकी कोचिंग में पढ़कर अधिक प्रतिशत लाने का प्रलोभन दिया जाता है।

प्रति विद्यार्थी लाखों की फीस

कक्षा की श्रेणी के अनुसार प्रति विद्यार्थी प्रतिवर्ष लाखों रुपए की फीस कोचिंग संचालकों द्वारा वसूली जाती है। सुबह 5 बजे से ही रात 10 बजे तक निरंतर कोचिंग क्लासेस चलती रहती है। कोचिंग क्लासेस में सैकड़ों बच्चे कोचिंग लेते हैं, जिससे प्रतिवर्ष इनकी करोड़ों की कमाई होती है। किंतु नगर परिषद प्रशासन के व्यवसायिक संपत्ति कर की चोरी करना इन संचालकों की नियत बन चुकी है।

अधिकांश कोचिंग क्लासेज किराए के मकानों में

शहर में चलनेवाली अधिकांश कोचिंग क्लासेस किराए के मकान में चल रही है। जिनका अंदाजन औसत किराया प्रतिमाह 10000 माना जाए तो प्रत्येक कोचिंग क्लास को करीब 45000 का व्यवसायिक टेक्स नगर परिषद में जमा कराना होता है। 200 से अधिक चलने वाली कोचिंग क्लासेस का 1 वर्ष में नगर परिषद प्रशासन को करीब 1 करोड़ का संपत्ति कर प्राप्त होना चाहिए। किंतु कोचिंग संचालकों द्वारा नगर परिषद प्रशासन के एक करोड़ से अधिक के संपत्ति कर को प्रतिवर्ष चुना लगाया जा रहा है। गत अनेक वर्षो से यह गोरखधंधा निरंतर चल रहा है। जिससे अब तक नगर परिषद को करोड़ों रुपए का व्यवसायिक संपत्ति कर का नुकसान कोचिंग संचालकों द्वारा पहुंचाया गया है।

विशेष अभियान जल्द ही

नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत निवासी स्थानों पर चलने वाले व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के संदर्भ में एक विशेष जांच अभियान चलाया जाएगा। निवासी स्थानों का टेक्स जमा कर व्यवसाय करने वाले सभी व्यवसायियों को व्यवसायिक टेक्स के दायरे में लाया जाएगा।

- करण चौहान
प्रशासक व मुख्य अधिकारी. नप गोंदिया

नगर परिषद का सर्वे जल्द ही

गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत सभी प्रभागो में चलने वाली छोटी-बड़ी सभी कोचिंग क्लासेस का सर्वे किया जाएगा। उन्हें जब से कोचिंग क्लासेस चल रही है तब से अब तक का व्यवसायिक संपत्ति कर भरने का नोटिस दिया जाएगा। फिलहाल टेक्स विभाग में मात्र दो ही कोचिंग क्लासेस का टेक्स जमा हो रहा है।

- विशाल बनकर, उपमुख्य अधिकारी
व टेक्स अधीक्षक, नप गोंदिया

गोंदिया जिले के पालकमंत्री पद पर राज्यमंत्री प्राजक्त तनपुरे की नियुक्ति

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले के नए पालकमंत्री के रुप में नगर विकास, उर्जा, आदिवासी विकास व उच्च शिक्षा, आपत्ती व्यवस्थापन मदद पुनर्वासन राज्यमंत्री प्राजक्त तनपुरे की नियुक्ति की गई है। इस संदर्भ में महाराष्ट्र सरकार के सामान्य प्रशासन द्वारा आदेश जारी किया गया है।

पत्रकार कभी सेवानिवृत्त नहीं होते - विवेक अग्रवाल

भोपाल - मुम्बई के जाने माने अपराध रिपोर्टर विवेक अग्रवाल ने कहा कि सेना का जवान और कलम के सिपाही अर्थात पत्रकार कभी सेवानिवृत्त (रिटायर्ड) नहीं होते। पत्रकार के लिए कोई निश्चित समय सीमा नहीं होती, उसको 24 घंटे काम करना पड़ता है। विवेक अग्रवाल ने उक्त विचार माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के सत्रारंभ समारोह के दूसरे दिन आतंकवाद, अपराध और पत्रकारिता विषयक सत्र में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि पत्रकार को अराजक लेकिन स्वअनुशासित होना चाहिए। उसे आम नागरिक एवं समाज के प्रति जिम्मेदार होना चाहिए। आप जो भी खबर लिखें, उसकी पूरी तरह से जांच जरुर कर लें। वाट्सएप से मिली खबर पर समाचार न लिखें। पत्रकार का किसी मामले में स्वयं का भी विचार होना चाहिए। पत्रकारिता के विषय को लेकर उन्होंने कहा कि मीडिया संस्थान उन्हीं खबरों को देना चाहते हैं जो टीआरपी एवं प्रसार संख्या बढ़ाएं। मीडिया मुददों पर लोगों के मन में छवि निर्माण करता है और यह छवि आगे भी बनी रहती है। पूरे विश्व में चार विषय - धर्म, वासना, अपराध और मनोरंजन बिकते हैं। भारत में क्रिकेट एक ऐसा विषय है जिस पर खबरें बिकती हैं। उन्होंने कहा कि खोजी पत्रकारिता अखबार की जरुरत है।

मीडिया में सरकार के अधिकारी जो बताते हैं वह आधा सच होता है। शेष सच को बताने की जिम्मेदारी पत्रकार की होती है। उन्होंने युवा पत्रकारों को प्रेरित किया कि वे न्यू मीडिया में काम करें और उसका स्तर भाषा और कंटेंट से बढ़ाएं, क्योंकि जितना ज्यादा यह माध्यम सफल होगा उतना ज्यादा ही लोगों के लिए सदुपयोगी होगा। विद्यार्थियों को मीडिया के काम करने के मंत्र बताते हुए उन्होंने कहा कि हर खबर की सत्यता की जांच करना चाहिए।

सत्र का संचालन मीडिया प्रबंधन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अविनाश बाजपेयी ने किया। डॉ. मनीष माहेश्वरी ने विवेक अग्रवाल का सम्मान किया।

पोह विजय हुमने १४ हजार की रिश्वत लेते एसीबी के जाल में

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले के सालेकसा पुलिस थाना में तैनात पुलिस हवलदार विजय सावजी हुमने को 14 हजार की रिश्वत लेते हुए बुधवार 23 मार्च की दोपहर गोंदिया एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सालेकसा निवासी फरियादी का 18 मार्च को पड़ोसी का उसके पुत्र के साथ नाली के पानी को लेकर विवाद हुआ था। जिस पर पड़ोसी द्वारा सालेकसा पुलिस थाने में फरियादी के बेटे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। सालेकसा पुलिस थाने में धारा 324 के तहत मामला दर्ज किया गया था। उपरोक्त मामले की जांच पुलिस हवलदार विजय हुमने द्वारा की जा रही थी। जांच के दौरान फरियादी को 19 मार्च को पुलिस हवलदार हुमने द्वारा सालेकसा पुलिस थाने में बुलवाया गया तथा फरियादी से कहा कि उसके बेटे के खिलाफ मामले में उसे गिरफ्तार न कर न्यायालय में पेश करने

तथा जांच में सहयोग करने के नाम पर 15 हजार रिश्वत की मांग की थी। किंतु फरियादी की रिश्वत न देने की मनसा थी। इस संदर्भ में 21 मार्च को गोंदिया एंटी करप्शन ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई। जिसके पश्चात एसीबी द्वारा जांच कर 23 मार्च को सालेकसा बाजार चौक यस चाय दुकान में 14 हजार रुपये लेते हुए हुमने को रंगे हाथों धर दबोचा।

इस मामले में आरोपी पुलिस हवलदार विजय सावजी हुमने बक्कल नंबर 638 के खिलाफ सालेकसा पुलिस थाने में भ्रष्टाचार प्रतिबंधक अधिनियम 1988 की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया गया। उपरोक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक राकेश ओला, अपर पुलिस अधीक्षक मधुकर गीते के मार्गदर्शन में उपअधीक्षक पुरुषोत्तम अहेकर, सफौ विजय खोबरागडे, पोहवा राजेश सेंद्रे, नापोसी मंगेश कहालकर, अशोक कापसे, संतोष शेंडे, संतोष बोपचे गोंदिया एसीबी द्वारा की गई।

टेक्स कम करने रिश्वत की मांग अस्थाई कर्मचारी मौजे बर्खास्त

असिसमेंट के बिना टैक्स वसूली का दिया बिल

बुलंद गोंदिया - गोंदिया नगर परिषद के टेक्स विभाग में कार्यरत अस्थाई कर्मचारी गणेश मौजे द्वारा सिंधी कॉलोनी निवासी फरियादी को असिसमेंट के बिना टैक्स वसूली का बिल देकर राशि कम करने के नाम पर 20 प्रतिशत रिश्वत की मांग की गयी थी। जिसकी शिकायत मुख्य अधिकारी को प्राप्त होते ही उसे तत्काल बर्खास्त कर नगर परिषद परिसर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है।

गौरतलब है कि गोंदिया नगर परिषद द्वारा टेक्स वसूली के लिए नगर परिषद के रिटायर कर्मचारी गणेश मौजे को अस्थाई रुप से एजेंसी के माध्यम से नियुक्त किया था। किंतु अपने पद का दुरुपयोग कर सिंधी कॉलोनी निवासी फरियादी घनश्याम वैरुमल हरीरामानी जिसका वार्ड क्रमांक 30 में प्रॉपर्टी क्रमांक 30/134 व अन्य दूसरी प्रॉपर्टी 30/133 दर्ज हैं। जिसके पुनर्निर्माण के पश्चात बिना किसी असिसमेंट के टेक्स वसूली का बिल गणेश मौजे द्वारा दिया गया था। तथा बिल की राशि कम करने के नाम पर फरियादी से 20 प्रतिशत रिश्वत की मांग की थी। इस संदर्भ में फरियादी ने नगर परिषद मुख्य अधिकारी करण चौहान से शिकायत की थी। साथ ही इस मामले में सूचना के अधिकार के तहत आरटीआई कार्यकर्ता महेश वाधवानी द्वारा मांगी गई जानकारी में खुलासा हुआ कि उपरोक्त टेक्स का बिल कर्मचारी गणेश मौजे द्वारा झूठे व फर्जी बनाकर दिये थे। जिसका नगर परिषद द्वारा किसी भी प्रकार से असिसमेंट

कर नया टेक्स जारी नहीं किया था।

इस प्रकार के भ्रष्टाचार के गंभीर मामले को देखते हुए मुख्य अधिकारी करण चौहान द्वारा तत्काल प्रभाव से अस्थाई कर्मचारी गणेश मौजे को बर्खास्त कर इस संदर्भ का पत्र जय अंबे स्वयंरोजगार सेवा संस्था के संचालक को दिया गया। साथ ही पत्र में निर्देश दिया गया है कि उपरोक्त कर्मचारी नगर परिषद परिसर में भी प्रवेश नहीं करेगा। इस आदेश का उल्लंघन किए जाने पर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएंगी। उल्लेखनीय है कि गोंदिया नगर परिषद प्रशासन द्वारा नगर परिषद की आय बढ़ाने के लिए टेक्स वसूली बड़े पैमाने पर की जाती है। किंतु कुछ कर्मचारियों द्वारा इस प्रकार का भ्रष्टाचार किया जाता है। इस प्रकार के अनेक मामले इसके पूर्व भी घटित हो चुके हैं, जिसकी जांच की जाए तो अनेक घोटाले सामने आने की संभावना है।

रेलवे में नौकरी के नाम पर ३४ लाख की धोखाधड़ी करनेवाली

अंतर्राज्यीय ठगटोली गिरफ्तार

बुलंद गोंदिया - रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों का झांसा देकर ठगबाजी करते हुए नौकरी के नाम पर 34 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले मुख्य आरोपी सहित 2 महिला आरोपियों को गोंदिया पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 3 मार्च 2021 से 15 मार्च 2021 के दौरान मोतीनगर नागपुर निवासी फरियादी सुजाता विनोद बंसोड को आरोपी उत्तमचंद मोहन खांडेकर तांडा गोंदिया निवासी, प्रमोद वासुदेव रामटेके उप्पलवाड़ी नागपुर, अश्विन कुमार विश्वनाथ गजभिए तांडा गोंदिया, मनोज महादेव गभने सदर नागपुर, रंजीत राजाराम डाहाटकर तांडा व 2 महिलाओं सहित आरोपियों द्वारा रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी होने का झांसा देते हुए उनके रिश्तेदारों व परिचित लोगों को रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर बोगस परिचय पत्र दिखाकर फरियादी से नगदी व ऑनलाइन माध्यम से 34 लाख रुपए लेकर धोखाधड़ी की थी तथा किसी को भी नौकरी नहीं मिल पाई थी।

इस मामले में धोखाधड़ी होने का मामला सामने आने पर फरियादी द्वारा गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई जहां पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भादवि की धारा 420, 465, 468, 471, 504, 507, 34 के तहत 30 सितंबर 2021 को मामला दर्ज कर उपरोक्त मामले की जांच सपोनी आसाराम चौहान द्वारा शुरु की गई थी। लेकिन मामला दर्ज होते ही आरोपी उत्तमचंद मोहन खंडेकर उसके 6 साथी फरार होकर अपनी पहचान छुपाते हुए कोलकाता पश्चिम बंगाल, मुंबई, नागपुर, दुर्ग-भिलाई राजनांदगांव नोएडा आदि स्थानों पर छुपते हुए पुलिस को चकमा दे रहे थे। इसी दौरान 18 मार्च 2022 को मुख्य आरोपी उत्तमचंद मोहन खांडेकर यह नागपुर में होने की विश्वसनीय गुप्त जानकारी प्राप्त होने पर वानाडोंगरी नागपुर में स्थानीय पुलिस की सहायता से गोंदिया पुलिस द्वारा छापामार कार्रवाई कर एक घर से उत्तमचंद मोहन खंडेकर व 2 महिला आरोपियों को हिरासत में लिया।

उल्लेखनीय है कि उपरोक्त आरोपियों के खिलाफ पुलिस स्टेशन गोंदिया शहर में भी भादवि की धारा 420, 467 465, 466, 471, 34 तथा दुर्ग के मोहन नगर पुलिस थाने में धारा 420 दर्ज है। इस छापामार कार्रवाई के दौरान आरोपियों के पास से इनोवा क्रिस्टा कीमत 23 लाख व निशांत की कीमत 10 लाख रुपए के वाहन जप्त किए गए। उपरोक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, उपविभागीय पुलिस अधिकारी ताजने के मार्गदर्शन में गोंदिया ग्रामीण के पुलिस निरीक्षक बाबासाहेब बोरसे, सपोनि आसाराम चौहान, पोहवा देवाजी बहेकार, पोना देवानंद पारधी, मपोना योगेश्वरी परिहार, पोशि राकेश इंदुरकर व साइबर सेल गोंदिया के पोना दीक्षित दमाहे, धनंजय शेंडे, प्रभाकर पालंदुरकर ने कार्यवाही में सहयोग किया।

संपादकिय

महंगाई का ईंधन

पिछले कुछ समय से रोजमर्रा की जरुरतों के सामान की कीमतें आम लोगों की पहुंच से दूर होती जा रही हैं। ऐसे में सरकार की कोशिश यह होनी चाहिए थी कि वह लोगों को महंगाई से राहत दिलाने के लिए ऐसे उपाय निकाले, ताकि आम आबादी के बीच आय और खर्च को लेकर संतुलन बना रहे। मगर हालत यह है कि बाजार में अमूमन सभी वस्तुओं की कीमतों में कमी के बजाय इजाफा ही होता जा रहा है। खाने-पीने की चीजों तक के दाम लंबे समय से जिस स्तर पर हैं, उससे बहुत सारे लोगों के सामने अलग-अलग स्तर पर मुश्किलें खड़ी हो रही हैं।

इस बीच, डीजल की थोक खरीदारी में एक साथ पच्चीस रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी का बाजार पर क्या असर पड़ेगा, यह समझना मुश्किल नहीं है। यों डीजल के दाम में वृद्धि के पीछे सरकार की दलील यह है कि बढ़ोतरी केवल थोक खरीदारी के लिए की गई है और खुदरा बिक्री पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। यह भी बताया जा रहा है कि ताजा कदम के पीछे रुस-यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी है। इसकी वजह से बस या माल जैसे व्यावसायिक परिसरों के लिए डीजल की खरीदारी से तेल कंपनियों को नुकसान हो रहा था।

विचित्र यह है कि अगर कभी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में किसी वजह से गिरावट आती है, तब शायद ही खुले बाजार में पेट्रोल या डीजल के दाम में कमी की जाती है। मगर अक्सर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल के मूल्यों में तेजी हवाला देकर इसकी कीमतों में इजाफा कर दिया जाता है। सवाल है कि अगर बड़े वाहनों, व्यावसायिक परिसरों, हवाईअड्डों और औद्योगिक इस्तेमाल में खपत के लिए इतनी ऊंची कीमत पर डीजल खरीदा जाएगा, तो क्या इसका असर इनसे संबंधित व्यवसायों पर नहीं पड़ेगा?

क्या थोक में महंगे तेल की खरीदारी की भरपाई करने के लिए बड़े वाहन माल ढुलाई या यात्री किराया बढ़ा कर नहीं करेंगे? यह किसी से छिपा नहीं है कि समूचे देश में जरुरी वस्तुओं की आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा सड़क परिवहन पर निर्भर है। डीजल की कीमतों में किसी भी इजाफे का सीधा असर खुले बाजार में बिकने वाली हर वस्तु पर पड़ता है। ऐसे में डीजल की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी नहीं होने का आश्वासन सिर्फ दिलासा भर है।

दरअसल, बीते कुछ वक्त से पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर रहे थे। माना जा रहा है कि इसके पीछे विधानसभा चुनाव बड़ी वजह रहे, जिसमें महंगाई का असर वोटों पर पड़ सकता था। अब पांच राज्यों में चूंकि चुनाव खत्म हो गए हैं, इसलिए एक साथ पच्चीस रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी के बावजूद इसका कोई राजनीतिक जोखिम नहीं है। लेकिन क्या एक लोकतांत्रिक ढांचे में किसी भी सरकार के ऐसे रुख को जनपक्षीय कहा जा सकता है?

यह किसी से छिपा नहीं है कि पिछले दो सालों से महामारी पर काबू पाने के लिए लगाई गई पूर्णबंदी आदि वजहों से ज्यादातर आबादी की आय या तो रुक गई है या फिर खत्म हो गई है। करोड़ों लोगों के रोजगार पर आफत आई है। लोग किसी तरह अपना काम चला रहे हैं। ऐसे में परोक्ष रुप से बढ़ाई गई कीमतें पहले से ही महंगाई के मोर्चे पर जूझ रही आबादी के एक बड़े हिस्से के लिए नई मुश्किलें खड़ी करेंगी। सरकार की कोशिश होनी चाहिए कि वह आम जनता की माली हालत समझते हुए इस तरह के फैसलों के बजाय अर्थव्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कोई वैकल्पिक उपाय करे।

रोजगार सबसे अहम

नैशनल स्टैटिस्टिक ऑफिस की रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल से जून 2021 की तिमाही में शहरी इलाकों में 15 साल और उससे ऊपर की आबादी में बेरोजगारी की दर 12.6 फीसदी पाई गई। 2020 की इसी अवधि के आंकड़े देखें तो यह दर 20.8 फीसदी थी, मगर अप्रैल-जून से ठीक पहले की तिमाही यानी जनवरी से मार्च 2021 की अवधि में यह दर 9.3 फीसदी पर आ गई थी।

नैशनल स्टैटिस्टिक ऑफिस (एनएसओ) की ओर से पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) की ताजा रिपोर्ट इस लिहाज से भी अहम है कि यह देश में कुछ समय के अंतर पर पैदा हुए दो असामान्य हालात के नतीजों को करीब से देखने और समझने का मौका मुहैया कराती है। सोमवार को जारी हुई इस रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल से जून 2021 की तिमाही में शहरी इलाकों में 15 साल और उससे ऊपर की आबादी में बेरोजगारी की दर 12.6 फीसदी पाई गई। अगर एक साल पहले की उसी अवधि के आंकड़े देखें तो यह दर 20.8 फीसदी थी, मगर अप्रैल-जून से ठीक पहले की तिमाही यानी जनवरी से मार्च 2021 की अवधि में यह दर 9.3 फीसदी पर आ गई थी। आंकड़ों का ग्राफ ऊपर से नीचे आने और फिर दोबारा चढ़ने का यह ट्रेंड रिपोर्ट के अन्य हिस्सों में भी दिखता है। उदाहरण के लिए, शहरी महिलाओं की स्थिति देखें तो 15 साल और उससे ऊपर की आबादी में बेरोजगारी की जो दर अप्रैल से जून 2020 में 21.1 फीसदी थी, वह जनवरी-मार्च 2021 में घटकर 11.8 फीसदी पर आई और अप्रैल-जून 2021 की अवधि में फिर बढ़कर 14.3 फीसदी पर चली गई।

ध्यान देने की बात यह है कि अप्रैल-जून 2020 ही वह अवधि थी, जब कोरोना के वैश्विक प्रकोप से जुड़ी आशंकाओं के मद्देनजर केंद्र सरकार ने सबसे लंबे देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की थी। स्वाभाविक ही उसके कारण बेरोजगारी दर में अप्रत्याशित इजाफा हुआ। इसके ठीक एक साल बाद यानी अप्रैल-जून 2021 की अवधि में देश कोरोना की दूसरी लहर के कहर से जूझ रहा था। इसका भी असर जीवन के सभी क्षेत्रों पर पड़ा और खासतौर पर बेरोजगारी में जबर्दस्त बढ़ोतरी देखी गई। मगर ये आंकड़े भारतीय समाज की जिजीविषा का भी संकेत करते हैं। जैसा कि उस अवधि के इससे पहले आए अन्य आंकड़े दर्शाते रहे हैं, ये आंकड़े भी इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि देश ने बीच में मिली जरा सी मोहलत का फायदा उठाते हुए हालात काफी हद तक दुरुस्त कर लिए थे। दूसरी लहर ने उसे फिर से बिगाड़ा। लेकिन इस दूसरी लहर के बाद फिर से स्थितियां सामान्य होने लगीं और जैसे-जैसे कोरोना से जुड़े प्रतिबंध हटते गए, आर्थिक गतिविधियां भी तेज हुईं। इसका असर आगे आने वाले आंकड़ों पर दिखेगा। मगर इसी बीच रुस और यूक्रेन युद्ध के रुप में एक नई असाधारण चुनौती अर्थव्यवस्था के सामने आ गई है। बहरहाल, चुनौतियां तो रुप बदल-बदल कर आती ही रहेंगी, लेकिन फिलहाल सरकार के सामने महंगाई दर को यथासंभव काबू में रखते हुए रोजगार के अधिक से अधिक मौके मुहैया कराने की कठिन चुनौती बनी हुई है। मौजूदा हालात में इसका जवाब जहां तक हो सके सरकारी खर्च के जरिए अर्थव्यवस्था को गति देने का प्रयास ही हो सकता है। इसीलिए बजट में सरकार ने कैपिटल एक्सपेंडिचर में भारी बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा था।

बजट में महाविकास आघाडी सरकार ने की विदर्भ की उपेक्षा

बुलंद गोंदिया - महाराष्ट्र की महाविकास आघाड़ी सरकार द्वारा पेश किए गए आमबजट में सिर्फ आंकड़ों का खेल कर जनता को दिशा भ्रमित किया है। आम जनता को इस बजट से निराशा ही मिली है। उपरोक्त बजट से जनता को काफी बड़ी अपेक्षाएं थी किंतु हमेशा की तरह भ्रम की स्थिति निर्माण करनेवाली इस सरकार ने बजट में भ्रम बनाया हुआ है।

विदर्भ के विकास के लिए किसी भी प्रकार का नियोजन इस बजट में नहीं किया गया है। नियमित कर्ज लौटानेवाले किसानों को 50000 का प्रोत्साहन देने का आश्वासन गत बजट में किया गया था, किंतु उसका अमल अब तक नहीं किया गया है। केवल घोषणाओं का महाबजट महाविकास आघाडी द्वारा पेश किया गया है। जिससे इस सरकार को जनता के हितों का कुछ लेना देना नहीं है, ऐसा आज सिद्ध हुआ है। ऐसा कथन गोंदिया-भंडारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. परिणय फुके द्वारा बजट पर दिया है।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : धन संबंधित मामलों के लिए समय अनुकूल चल रहा है, जल्द ही कोई आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। घर के कामों में मदद करने के आपके स्वभाव की सभी तारीफ करेंगे। अपनी पसंदीदा चीजों पर खर्चा करना संतोषजनक साबित होगा। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम अधिकांश शारीरिक बीमारियों को दूर रखने में मददगार साबित होगा।

वृषभ : कार्यक्षेत्र पर अपने अधिकारों को बांटना काम करने का सही तरीका साबित होगा जिसके चलते आप पर काम का बोझ कुछ कम होगा। इस सप्ताह खुशखबरी आपका इंतजार कर रही है। शेयर मार्केट में खोया हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है। सरप्राइज गिफ्ट और कैंडल लाइट डिनर से अपने साथी को प्रभावित करेंगे।

मिथुन : किसी खानदानी विरासत के मिलने में समय लग सकता है, इसलिए खुद पर नियंत्रण रखें। प्रेम संबंधों के लिए समय थोड़ा कठिन चल रहा है। नवविवाहित जोड़े एक-दूसरे के साथ समय बिताकर अच्छा महसूस करेंगे। यात्राओं के योग बन रहे हैं। मनपसंद जगह घूमने का मौका मिल सकता है।

कर्क : समाज में आपके द्वारा किए गए प्रयासों की सभी सराहना करेंगे जिसके चलते आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी और पहचान मिलेगी। सैलरी में बढ़ोतरी के आपके अनुरोध को सहानुभूति के सुना जा सकता है। किसी को उधार दिया हुआ पैसा तुरंत वापस मिल जाएगा। पुराने दोस्तों से मिलकर और पुरानी यादें ताजा होंगी।

सिंह : किसी विशेष व्यक्ति से विदेश जाकर मिलने की इच्छा जल्दी ही पूरी होने की संभावना है। इस सप्ताह आप में से कुछ लोग प्रोफेशनली खुद को बेड़ियों में जकड़ा हुआ और असहाय महसूस कर सकते हैं। किसी लोन को पास कराने में आ रहीं समस्याओं के चलते लोन का विचार छोड़ने की सोच सकते हैं। विवेकपूर्ण तरीकों से खर्च करने की आवश्यकता है।

कन्या : कार्यक्षेत्र पर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते उच्च अधिकारियों का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करने में कामयाब होंगे। किसी सामाजिक काम के लिए पैसों का इंतजाम करने में मेहनत करनी पड़ सकती है। प्रॉपर्टी विवाद की संभावना है, इसलिए बेहतर होगा कि आप समय रहते ही इस समस्या का सौहार्दपूर्ण तरीके से समाधान ढूंढने की कोशिश करें।

तुला : इस सप्ताह धन संबंधित चली आ रही समस्या को सुलझने के लिए समय देने की आवश्यकता होगी। थकान के चलते सुस्ती महसूस कर सकते हैं। आपका साथी इस सप्ताह कुछ समय अकेले रहना चाहते हैं, इसलिए उसकी भावनाओं का सम्मान करें। पढ़ाई में आपसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा सकती है।

वृश्चिक : यात्राओं पर जाने के योग बन रहे हैं। शहर से बाहर परिवार के साथ किसी यात्र पर जाना मजेदार साबित होगा। कुछ खास हासिल करने का लक्ष्य रखने वालों को कोई नहीं रोक सकता। रोमांस के लिए ये सप्ताह संतोषजनक साबित होगा। अपने साथी के कैंडल लाइट डिनर पर जाकर रोमांचित महसूस करेंगे।

धनु : प्रेम संबंधों के लिए समय अनुकूल चल रहा है, अपने साथी के साथ समय बिताना और गिफ्ट देना संतोषजनक साबित होगा। विदेश यात्र पर जाना मजेदार साबित होगा। रियल स्टेट से जुड़े लोग किसी अच्छी डील को करने में कामयाब होंगे। घर पर कुछ बदलावों के करने के आपके सुझव का सभी लोग स्वागत करेंगे।

मकर : इस सप्ताह समाज में आपकी लोकप्रियता काफी बढ़ सकती है। करियर के लिए यह सप्ताह काफी उत्कृष्ट साबित होगा। करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलने की संभावना है। एक-दूसरे के साथ समय बिताने से साथी के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। इस सप्ताह आपके शुभचिंतक आपका सहयोग करेंगे।

कुंभ : धनलाभ के योग बन रहे हैं। कुछ समय पहले शुरु किए गए किसी व्यवसाय से लाभ मिलने की संभावना है। आप किसी ऐसे व्यक्ति का सही मार्गदर्शन करने में सफल होंगे, जो आप पर पूरा विश्वास कर रहा है। किसी पार्टी या समारोह के निमंत्रण से आपको लोगों से मिलने और अपने व्यावसायिक हितों को आगे बढ़ाने का अवसर मिल सकता है।

मीन : यात्राओं से अच्छा व्यापार मिलने की संभावना है। इस सप्ताह आर्थिक रुप से आप खुद को बेहतर स्थिति में पाएंगे। अपने किसी ड्रीम प्रोजेक्ट में निवेश करने की योजना बना सकते हैं। घर का माहौल शांत और खुशनुमा रहेगा। दोस्तों और करीबियों के आपके घर आने से घर की रौनक बढ़ेगी। प्रेम संबंधों को लेकर ये सप्ताह संतोषजनक रहेगा।

विश्व जल दिवस

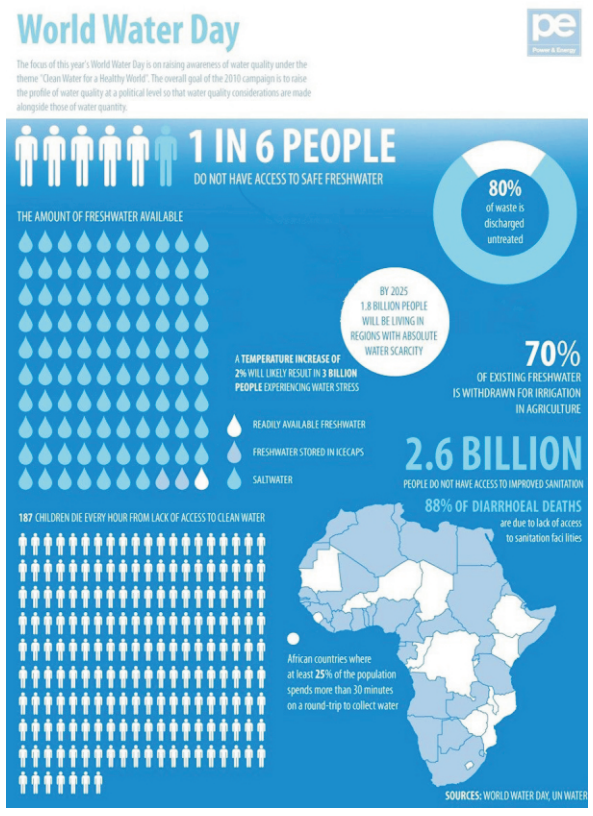

विश्व जल दिवस 22 मार्च को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य विश्व के सभी देशों में स्वच्छ एवं सुरक्षित जल की उपलब्धता सुनिश्चित करवाना है, साथ ही जल संरक्षण के महत्व पर भी ध्यान केंद्रित करना है। ब्राजील में रियो डी जेनेरियो में वर्ष 1992 में आयोजित पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विश्व जल दिवस मनाने की पहल की गई तथा वर्ष 1993 में संयुक्त राष्ट्र ने अपने सामान्य सभा के द्वारा निर्णय लेकर इस दिन को वार्षिक कार्यक्रम के रुप में मनाने का निर्णय लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों के बीच में जल संरक्षण का महत्व, साफ पीने योग्य जल का महत्व आदि बताना था। 1993 में पहली बार विश्व जल दिवस मनाया गया था और संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1992 में अपने एजेंडा 21 में रियो डी जेनेरियो में इसका प्रस्ताव दिया था। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, लगभग 4 बिलियन लोग वर्ष में कम से कम एक महीने के लिए पानी की भारी कमी का अनुभव करते हैं और लगभग 1-6 बिलियन लोग दुनिया की आबादी का लगभग एक चौथाई - एक स्वच्छ, सुरक्षित जल आपूर्ति तक पहुँचने में समस्याएं हैं।

जल दिवस का महत्व

यह निर्विवाद सत्य है कि सभी जीवित प्राणियों की उत्पत्ति जल में हुई है। वैज्ञानिक अब पृथ्वी के अलावा अन्य ग्रहों पर पहले पानी की खोज को प्राथमिकता देते हैं। पानी के बिना जीवन जीवित ही नहीं रहेगा। इसी कारणवश अधिकांश संस्कृतियाँ नदी के पानी के किनारे विकसित हुई हैं। इस प्रकार ही जीवन है का अर्थ सार्थक है। दुनिया में, 99 फिसदी पानी महासागरों, नदियों, झीलों, झरनों आदि के अनुरुप है। केवल 1 फिसदी या इससे भी कम पानी पीने के लिए उपयुक्त है। हालाँकि, पानी की बचत आज की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। केवल पानी की कमी पानी के अनावश्यक उपयोग के कारण है। बढ़ती आबादी और इसके परिणामस्वरुप बढ़ते औद्योगिकीकरण के कारण, शहरी माँग में वृद्धि हुई है और पानी की खपत बढ़ रही है। आप सोच सकते हैं कि एक मनुष्य अपने जीवन काल में कितने पानी का उपयोग करता है, किंतु क्या वह इतने पानी को बचाने का प्रयास करता है? असाधारण आवश्यकता को पूरा करने के लिए, जलाशय गहरा गया है। इसके परिणामस्वरुप, पानी में लवण की मात्रा में वृद्धि हुई है।

वैश्विक जल संरक्षण के वास्तविक क्रियाकलापों को प्रोत्साहन देने के लिये विश्व जल दिवस को सदस्य राष्ट्र सहित संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनाया जाता हैं। इस अभियान को प्रति वर्ष संयुक्त राष्ट्र एजेंसी की एक इकाई के द्वारा विशेष तौर से बढ़ावा दिया जाता है। जिसमें लोगों को जल से संबंधित मुद्दों के बारे में सुनने व समझाने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ ही विश्व जल दिवस के लिये अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों का समायोजन भी शामिल है। इस कार्यक्रम की शुरुआत से ही विश्व जल दिवस पर वैश्विक संदेश फैलाने के लिये थीम (विषय) का चुनाव करने के साथ ही विश्व जल दिवस को मनाने की सारी जिम्मेवारी संयुक्त राष्ट्र की पर्यावरण तथा विकास एजेंसी की है।

विश्व जल दिवस का थीम

वर्ष 2012 की थीम जल और खाद्य सुरक्षा था।
वर्ष 2013 की थीम जल सहयोग था।
वर्ष 2014 की थीम जल और ट्रर्जा था।
वर्ष 2015 की थीम जल और दीर्घकालिक विकास था।
वर्ष 2016 की थीम जल और नौकरियाँ था।
वर्ष 2017 की थीम अपशिष्ट जल था।
वर्ष 2018 की थीम जल के लिए प्रकृति के आधार पर समाधान
वर्ष 2019 की थीम किसी को पीछे नहीं छोड़ना था।
वर्ष 2020 की थीम जल और जलवायु परिवर्तन था।
वर्ष 2021 की थीम पानी का महत्व रखा गया था।
वर्ष 2022 का थीम है ग्राउंडवाटर : मेकिंग द इंविजिबल विजिबल यानी भूजल : अदृश्य को दृश्यमान बनाना है।

साभार : विकिपिडिया

आज की बात

अनुभव का खजाना...

तमन्ना मतलानी
गोंदिया

हम अपने जीवन में विभिन्न प्रकार के कार्य करते हैं। इन कार्यों को हम पूरी मेहनत और ईमानदारी से कार्यरुप में ढालते हैं। हमें कई क्षेत्रों में कार्य करने होते हैं, जब इन कार्यों को करते हुए हमारे मन में कभी भी यह अहसास नहीं होता कि यदि हम इस कार्य में सफल नहीं हुए तो क्या होगा? तब इसी अहसास को ही हम आत्मविश्वास कहते हैं। इस आत्मविश्वास का सबसे बड़ा कारण हमारे अंदर का अनुभव तथा जीवन में हमेशा कुछ नया सीखने की प्रबल जिज्ञासा ही है। आत्मविश्वासी लोग जीवन के हर क्षेत्र में सफलता का स्वाद अवश्य ही चखते है। ऐसे आत्मविश्वासी लोग किसी नए कार्य को करते समय किसी भी प्रकार की हिचक महसूस नहीं करते क्योंकि हमारे बड़े बुजुर्गों ने हमें बचपन से ही सिखाया है कि कोई भी कार्य छोटा नहीं होता तथा यदि हम किसी कार्य को करने में असफल भी होते हैं तब भी उस कार्य को करने का एक नया अनुभव हमें सीखने को अवश्य ही मिलेगा। वास्तव में यही अनुभव का खजाना ही एक अनमोल विरासत के रुप में सदैव हमारे साथ रहता है। आज हम यह विचार कर सकते हैं कि यदि किसी व्यक्ति ने अपने जीवन काल में जब कभी भी कुछ नया सीखने का प्रयास नहीं किया होगा अथवा उस कार्य को करने की इच्छा अपने मन में जागृत नहीं की होगी तो बिना अनुभव के उसका जीवन किस प्रकार से व्यतीत होता होगा?

कई लोग अपने बड़ों की बंदिश को सीखने की राह का सबसे बड़ा रोड़ा समझते है और यह दोषारोपण करते रहते हैं कि बचपन से ही हम बड़े बुजुर्गों के बंधनों में रहे, इन्हीं बंधनों के कारण हम अपने जीवन में स्वतंत्र रहकर कुछ सीख नहीं पाए अथवा कुछ हासिल नहीं कर पाए। शायद ऐसे लोगों को यह एहसास नहीं होता कि हमारे बड़े बुजुर्गों की बंदिश हमें कुछ नया सीखने से रोकने के लिए नहीं होती बल्कि हमें कभी भी अपने मार्ग से भटकने से रोकने के लिए होती है। अगर कोई कहता है कि मैं अपने बड़ो की बंदिश के कारण जीवन पथ पर पिछड़ गया हूँ तो यह सिर्फ अपनी कुंठा को छिपाने का प्रयास मात्र ही होता है। शायद उन्हें भी मालूम होता है कि उन्होंने कभी भी अपने पूर्ण जीवन में नया सीखने की कोशिश ही नहीं की है तो फिर सफलता का स्वाद चखने के लिए कैसे मिलेगा?

हमारे बुजुर्ग ज्ञानवान और दूरदर्शी हुआ करते थे, उन्हें यह भली भांति ज्ञात था कि कुछ बंदिशों अथवा नियोजन व नियमों से ही बालपन में विकास करके खुशहाली लाई जा सकती है और अपने बच्चों को सफलता के गुण सिखाए जा सकते है। उन्हें यह भी अच्छी तरह से समझ होती है कि बंदिशे जीवन में आगे बढ़ने के मार्ग में बाधाएं या रुकावट नहीं लाती अपितु बंदिशें तो सीखने की एक कला भी है। बंदिश और उचित देखभाल के बिना आज के युवा होते बच्चों को गलत संगत में पड़ कर गलत राह पर चलने का चुनाव करने में तनिक भी देर नहीं लगती।

आज एक पिता ही है जो अपने बच्चों को अपने से भी अधिक कामयाब देखकर खुश हो सकता है। इसलिए आज के आधुनिक दौर में पिता अपने पुत्र को एक मित्र का स्थान देकर हर प्रकार की आजादी दे रहे हैं। कुछ बच्चे इस आजादी को अपनी जिम्मेदारी समझकर अपने परिवार के व्यापार की तरक्की के लिए सृजनात्मक निर्णय लेकर परिवार को संपन्न करने में अपना योगदान कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर कुछ बच्चे इसी आजादी का दुरुपयोग करते हुए मिली हुई आजादी का फायदा उठाकर गलत राह पर चल पड़ते हैं। मनुष्य के जीवन में हर क्षण एक नई परिस्थिति सामने आती रहती है। यह नई परिस्थिति हमारी इच्छा के अनुरुप भी हो सकती है और हमारी इच्छा के विपरीत भी हो सकती है। हमें किसी भी प्रकार की परिस्थिति से घबराना नहीं चाहिए। हमारे भीतर स्थित अनुभव को प्रत्येक परिस्थिति का मुकाबला करने की शक्ति होती है। बस आवश्यकता है कि हम अपने अंदर विराजमान अनुभव की शक्ति को पहचान कर आने वाली हर एक समस्या का समाधान करने का प्रयास करें, यकीन मानिए विजय सदैव आपके अनुभव की ही होगी और संसार की कोई भी शक्ति आपको पराजित नहीं कर सकती या झुका नहीं सकती। अत: यह कहना अनुचित नहीं होगा कि...

कभी तू हारना नहीं,
कभी तू झुकना नहीं,
कठिनाइयाँ तो हर राह में तुझे मिलेंगी,
आपका अनुभव ही,
कठिनाईयों का सामना करना सिखाएंगे ।

एक बात हमेशा ध्यान रखनी चाहिए कि कोई भी समस्या हमारे अनुभव से बढ़ी नहीं हो सकती। प्रत्येक समस्या का कोई न कोई समाधान अवश्य ही होता है। केवल सामने आई हुई उस समस्या को बिना किसी भय और घबराहट के उसका मुकाबला अपने अनुभव की शक्ति का उपयोग करके आना चाहिए। फिर देखिएगा किस प्रकार हमारे अनुभव की शक्ति को विजय हासिल होती है। इसलिए आइए मित्रो, हम सभी अपने अनुभव की शक्ति को बढ़ाते रहें और जहाँ से भी कुछ नया सीखने का अवसर मिले उसे सदैव सीखकर, अपनाकर अपने अनुभवों में चार-चाँद लगाते चलें। जीवन के पथ में हर व्यक्ति को गुरु मानिए, क्योंकि हर किसी के पास अनुभव की तपती भट्टी से पाया हुआ खजाना है। क्या हमनें कभी इस अनुभव की भट्टी की तपिश महसूस की है, यदि आपका जवाब हां है तो यकीन मानिए आपकी सदैव जीत ही होगी...!

महाराष्ट्र राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ का विभिन्न मांगों को लेकर

जिप कार्यालय के समक्ष धरना आंदोलन व श्रृंखलाबद्ध अनशन

बुलंद गोंदिया - महाराष्ट्र राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ की बरसों पुरानी अनेक प्रलंबित मांगों को लेकर 23 मार्च की दोपहर 12 बजे से जिला परिषद कार्यालय गोंदिया के समक्ष एक दिवसीय धरना आंदोलन व श्रृंखलाबद्ध आमरण अनशन शुरु किया गया।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले के जिला परिषद शालाओ में कार्यरत शिक्षकों की बरसों पुरानी विभिन्न प्रलंबित मांगों को लेकर महाराष्ट्र राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ गोंदिया जिला द्वारा एक दिवसीय धरना आंदोलन व श्रृंखलाबद्ध अनशन शुरु किया है।

प्रलंबित मांगों को लेकर शिक्षक संघ द्वारा समय-समय पर प्रशासन को निवेदन देने के साथ चर्चा भी की गई, किंतु उसका हल अब तक नहीं निकला। 5 फरवरी 2022 को जिला कार्यकारिणी की सभा में प्रस्ताव क्र.2 के अनुसार शिक्षकों की प्रलंबित मांगों के संदर्भ में 14 मार्च 2022 को धरना आंदोलन आयोजित किया गया था, किंतु उपरोक्त दिनांक पर प्रशिक्षण होने के चलते धरना आंदोलन स्थगित किया गया था, जो 23 मार्च को आयोजित किया गया।

उपरोक्त धरना आंदोलन शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष वीरेंद्रकुमार कटरे, यशोधरा सोनवाने जिला महिला आघाड़ी प्रमुख की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। धरने के दौरान सकारात्मक जवाब न आने पर उसी दिन से श्रृंखलाबद्ध अनशन शुरु किया जाएगा।

महाराष्ट्र राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा अपनी विभिन्न मांगों जिसमें प्रमुख रुप से 15 प्रतिशत प्रोत्साहन भत्ता 15000 के अंतिम प्रमाण में छ: तहसीलों में दिया जाए, शिक्षकों को स्थाई करने व सेवा में कायम करने का आदेश दिया जाए, वरिष्ठ श्रेणी के प्रस्ताव मंजूर किया जाए, चयन श्रेणी के मुख्य अध्यापक पदवीधर सहायक शिक्षकों के प्रस्ताव को मंजूरी दी जाए, सभी प्रकार की छात्रवृत्ति विद्यार्थियों को दी जाए, विषय शिक्षकों की मंजूर वेतनश्रेणी तथा शेष विषय शिक्षकों को पदवीधर वेतन श्रेणी मंजूर की जाए, उच्च श्रेणी मुख्य अध्यापक के रिक्त पद भरे जाएं, केंद्रप्रमुख के रिक्त पद भरे जाएं, विज्ञान विषय के शिक्षकों की रिक्त जगह तत्काल भरी जाए, उच्च न्यायालय नागपुर खंडपीठ के निर्देशानुसार एक स्तर वेतनश्रेणी शुरु की जाए, चिकित्सा प्रतिपूर्ति के भुगतान व प्रस्ताव मंजूर किए जाएं, 7, 8, 9 अगस्त 2018 के हड़ताल के दौरान का वेतन प्रदान किया जाए, 6 वे वेतन आयोग की पांचवी हफ्ते की किस्त जीपीएफ खाते में जमा की जाए, सातवें वेतन आयोग का लेखा वित्त विभाग जिला परिषद द्वारा मान्यता प्रदान की जाए, सेवा पुस्तिका समय पर नहीं भेजी जाती सभी शालाओं में सेवा पुस्तिकाओं को समय पर भेजा जाए आदि मांगों को लेकर आंदोलन किया गया। इस अवसर पर जिले सैकड़ों की संख्या में प्राथमिक शिक्षक उपस्थित थे।

शहर में बढ़ा मच्छरों का प्रकोप करे कीटनाशक का छिड़काव - जितेन्द्र पंचबुद्धे

नप मुख्याधिकारी को दिया ज्ञापन

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर में घनकचरा का उचित नियोजन नहीं होने से सब तरफ गंदगी फैल चुकी है। जिससे मच्छरों का प्रकोप बड़े पैमाने पर बढ़ चुका है। इसके चलते नगर परिषद सफाई विभाग के खिलाफ नागरिकों का रोष बढ़ रहा है। शहर में बढ़ते मच्छरों के प्रकोप पर नियंत्रण पाने के लिए पूर्व पार्षद जितेंद्र पंचबुद्धे ने नगर परिषद प्रशासन व मुख्याधिकारी को ज्ञापन देकर कीटनाशक छिड़काव की मांग की है।

गौरतलब है कि गोंदिया शहर में स्वच्छता की व्यवस्था चरमराने के चलते मच्छरों का प्रकोप दिनोंदिन तेजी से फैल चुका है, जिससे नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मच्छरों के चलते नागरिकों को न दिन में चौन न रात में आराम वाली स्थिति निर्माण हो चुकी है। शहर की स्वच्छता व्यवस्था चरमरा चुकी है तथा स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह निर्माण हो रहा है। जिसके चलते नगर परिषद की स्वच्छ छवि धूमिल हो रही है। इस संदर्भ में पूर्व पार्षद जितेंद्र (बंटी) पंचबुद्धे द्वारा नगर परिषद के प्रशासक व मुख्याधिकारी को पत्र देकर शहर में मच्छरों पर नियंत्रण पाने के लिए कीटनाशक छिड़काव की मांग की है। जिससे नागरिकों को कुछ हद तक राहत मिल सके।

विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति दुर्गावाहिनी का होली मिलन कार्यक्रम संपन्न

बुलंद गोंदिया - विहिप बजरंग दल जिला कार्यालय में मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी द्वारा होली मिलन कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम में आनेवाले गुढ़ीपाड़वा व रामनवमी उत्सव की पूर्व तैयारी की योजना बनाई गई। उसके पश्चात सभी माताओं बहनों ने पर्यावरण पूरक नैसर्गिक रंगों से होली खेली। आयोजित कार्यक्रम में स्मिता शरणागत, आरती सरई, स्नेहल इटानकर, मनीषा नेवारे, नीलिमा सोलंकी, रीता अरोरा, रुपाली रोकड़े, नीतू चौरसिया, रंजना कुलकर्णी, सरोज चावके, मीनू देहरिवाल, गीता सोनवाने, मनीषा सरई, शिवानी भोंगाड़े, आँचल रोकड़े उपस्थित थे।

दामिनी संगठन ने द कश्मीर फाइल्स फिल्म के दर्शकों का भव्य सत्कार किया

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले में महिलाओं का प्रमुख संगठन दामिनी संगठन द्वारा कश्मीर फाइल्स फिल्म देखने आए दर्शकों का व महिलाओं का पुष्पगुच्छ देकर, तिलक लगाकर व मिठाई खिलाकर भारतीय सभ्यता से सत्कार किया गया। दामिनी संगठन यह गोंदिया जिले का महिलाओं का सबसे प्रमुख संगठन है। विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक सक्रियता इस संगठन द्वारा हमेशा दिखाई जाती है। देश के प्रति अटूट प्रेम व महिलाओं में सबसे लोकप्रिय दामिनी संगठन हमेशा से रहा है। दामिनी संगठन के गोंदिया जिले के प्रमुख संयोजक राम पुरोहित व दामिनी संगठन की अध्यक्ष मैथिली राम पुरोहित इनका हमेशा ही समाज के प्रति अच्छा योगदान देखने में आया है। कश्मीर फाइल्स यह फिल्म उस सच्चाई को उजागर करती है, जिस सच्चाई को इसके पूर्व की सरकारों व नौकरशाहों ने छुपाकर रखा। उस सच्चाई को सामने लाने के लिए महिलाओं को विशेष रुप से यह फिल्म देखने के लिए प्रेरित करने का कार्य दामिनी संगठन द्वारा किया गया है, जो निश्चित ही सराहनीय है और तारीफ के काबिल है। थियेटर के प्रमुख संचालक मुकेश मुंदड़ा से दामिनी संगठन ने यह मांग की है कि होली के इस पावन त्यौहार पर आप कुछ राशि कम करके इस फिल्म की टिकट बेचे। जिससे ज्यादा से ज्यादा दर्शक यह फिल्म देख सके।

आप सभी को यह बताना बहुत जरुरी है कि देश के कुछ राज्यों में यह फिल्म टैक्स फ्री कर दी गई है। परंतु महाराष्ट्र में यह फिल्म अभी टैक्स फ्री नहीं हुई है। इसलिए हमने थिएटर के संचालक से अनुरोध किया है कि कुछ कम राशि लेकर आप फिल्म की टिकट दे, जिससे ज्यादा से ज्यादा गोंदियावासी यह फिल्म देख सके। इस अवसर पर प्रमुख रुप से जया अभय साहू दामिनी संगठन उपाध्यक्ष, दामिनी संगठन सदस्य वंदना शर्मा, रिया उमेश माधवानी, सरोज दीपक लिल्हारे, तोशीका राहंगडाले, साक्षी दोहरे, रेखा मटाले, भूमि अभय जयसवाल, वर्षा चौरसिया, गौरी चंद्रिकापुरे, गायत्री कनौजिया, सुलेखा कटरे, मीना पाठक, रेवती सिंह, अर्चना जोशी, विद्या जोशी, लता मेश्राम आदि उपस्थित थे।

शहीद भगतसिंग, राजगुरु व सुखदेव का किया अभिवादन

बुलंद गोंदिया - देश की आजादी की लड़ाई में शहीद होनेवाले वीरपुरुष भगत सिंग, राजगुरु व सुखदेव का शहीद दिन कार्यक्रम 23 मार्च को शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय में आयोजित किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम अधिष्ठाता डॉ. अपूर्व पावडे की प्रमुख उपस्थिति में आयोजित किया गया। जिसमें सर्वप्रथम शहीद भगत सिंग, राजगुरु व सुखदेव के छायाचित्र को पुष्पहार अर्पित कर अभिवादन किया गया। इसके पश्चात उनके जीवन चरित्र के संदर्भ व आजादी की लड़ाई में उनके विशेष योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में प्रमुख रुप से डॉ. वी.पी. रुखमोडे, डॉ.मनीष तिवारी, डॉ. विपुल अंबाडे, डॉ. सुजाता दूधगांवकर, डॉ. अभय हातेकर, डॉ. शिल्पा पटेरिया, मारुति कुंचनवार, गोपाली खोटे, प्रेरणा धनवीर, लघुलेखक सोपान छायाचित्रकार सचिन ढोले तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन गोपाली खोटे तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मारुति कुंचनकर, प्रेरणा धनवीर, सचिन ढोले, रामटेके व महावत ने विशेष सहयोग दिया।

ट्राईफेड इंडिया व प्रकल्प कार्यालय ने शीला उईके का किया सत्कार

बुलंद संवाददाता अर्जुनी मोर - अर्जुनी मोरगांव की नगर सेविका व सामाजिक कार्यकर्ता शीला उईके के विशेष सामाजिक कार्यों को देखते हुए उन्हें विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। जिसमें आदिवासी विकास प्रकल्प अधिकारी कार्यालय देवरी के माध्यम से प्रकल्प अधिकारी राचेलवार के हस्ते देवरी में उन्हें शाल व श्रीफल तथा प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही ट्राईफेड इंडिया संस्था के माध्यम से रानी दुर्गावती वन विकास केंद्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें विशेष पुरस्कार भी दिया गया। इस अवसर पर प्रकल्प के आकाश सरकार व रोहित शिंदे उपस्थित थे। उईके के सम्मानित होने पर ऑल इंडिया आदिवासी फेडरेशन द्वारा उनका अभिनंदन किया गया।

रेलवे सलाहकार समिति के सदस्यों ने डीआरएम उत्पल को स्टेशन तथा यात्रियों के विविध समस्याओं से कराया अवगत

बुलंद गोंदिया - गत 2 वर्षों से कोराना आपातकालीन स्थिति को देखते हुए रेलवे विभाग में सभी लोकल पैसेंजर गाड़ियां बंद की है। फिलहाल रेलवे विभाग ने सिर्फ एक्सप्रेस गाड़ियां शुरु है। यह गाड़िया ग्रामीण स्टेशनों पर नहीं रुकती है। जिसके वजह से ग्रामीण विभाग के यात्रियों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण विभाग में अनेक व्यापारियों का नागपुर से आवागमन चालू रहता है। इतवारी-रायपुर पैसेंजर तथा इतवारी-डोंगरगढ़ पैसेंजर, नागपुर की ओर तथा नागपुर से गोंदिया की ओर आनेवाली अनेक गाड़िया कोरोना के कारण बंद की गई है। आनेवाले दिनों में 10वीं 12वीं तथा अन्य विद्यालयों की परीक्षा शुरु होने जा रही है। शादियों का सीजन भी शुरु हो चुका है। सभी बंद गाड़ियां जल्द से जल्द शुरु करने की मांग की गई। उसी तरह दुरंतो सुपरफास्ट एक्सप्रेस का विस्तार गोंदिया तक कराने की मांग भी की गई। साथ ही गोंदिया बरौनी एक्सप्रेस को रायपुर मार्ग के बजाय बालाघाट, नैनपुर, जबलपुर होते हुए चलाया जाए तथा रिजर्वेशन काउंटर्स ज्यादा से ज्यादा बढ़ाने की मांग भी समिति के सदस्यों की ओर से की गई। एमएसटी की सुविधा सभी गाड़ियों के लिए शुरु की जाए, यात्रियों को होनेवाली ऐसे अनेक समस्याओं को लेकर स्टेशन सलाहकार समिति के सदस्यों ने डीआरएम मनिंदरसिंग उप्पल को अवगत कराके स्टेशन के मुख्य वाणिज्य निरीक्षक अरविंद साहू, वाणिज्य निरीक्षक सुजीत कुमार, मुख्य स्टेशन प्रबंधक कुशवाहा तथा अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में ज्ञापन सौंपा गया। जिसमे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे समिति के सलाहकार सदस्य सूरज नशीने, दिव्या भगत-पारधी, हरीश अग्रवाल, राजेंद्र कावड़े, अखिल नायक उपस्थित थे।

बलिदान दिवस पर

शहीद भगतसिंग, राजगुरु व सुखदेव की

शहादत को किया याद

बुलंद गोंदिया - भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला कार्यालय में अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के 91वें शहादत दिवस के अवसर पर कामरेड रामचंद्र पाटील की अध्यक्षता में श्रद्धांजली सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर का.मिलिंद गनविर, का.परेश दुरुगवार, का.करुना गनविर, का.साजिद कुरेशी, जितेंद्र तुपट, जावेद जिलानी आदि उपस्थित थे। अमर शहीद भगत सिंह और अन्य क्रांतिकारियों द्वारा देश की आजादी के लिए किये गये संघर्षो और कुर्बानीयों को याद करते हुए आजाद भारत में शोषण विहीन, समाजवादी समाज व्यवस्था के क्रांतीकारीयों के सपनो को पुरा करने के लिए निरंतर जनसंघर्षो को शुरु रखने और इस माध्यम से समाज को धर्म, मजहब, जात-पात मे बांटकर आपसी एकता अखंडता, और आपसी भाईचारा, सौहाद्र को खतरे मे डालने वाली क्रुरवादी, सांप्रदायिक शक्तियों के खिलाफ हर स्तर पर संघर्ष करने का आव्हान किया गया। इस सभा मे आजादी के आंदोलन के इतिहास को तोड़मरोड़ कर इसे सांप्रदायिकता के लिये जिनका आजादी के आंदोलन से कोई सरोकार न रखनेवाले, उलट अंग्रेजी हुकुमत की गुलामी करनेवालों की चालबाजी से सचेत रहकर वैचारिक अभियान चलाने का निश्चय किया गया। इस सभा मे भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव मंडल सदस्य और महाराष्ट्र राज्य किसान सभा राज्य महासचिव का.नामदेव गावड़े (कोल्हापुर) के आज हुए दुखद निधन पर उन्हे श्रद्धांजली अर्पित कर लाल सलामी दी गई।

अवंतीबाई लोधी महासभा द्वारा गोंदिया जिले मे गांव-गांव मूर्ति अनावरण

बुलंद गोंदिया - अवंतीबाई लोधी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लोधी शिव नागपुरे तथा अवंतीबाई के वंशज व अवंतीबाई लोधी महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक लोधी डोलेंद्र सिंह द्वारा गोंदिया जिले के कमरगांव, महलगांव, मुरदाडा मे अमर शहीद वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी के 164 वे बलिदान दिवस पर भव्य मूर्ति का अनावरण किया गया। रानी अवंती के बलिदान दिवस पर ग्राम कारंजा, नागरा, पांढराबोड़ी, धापेवाडा, कमरगांव, सहेसपुर व विभिन्न गांवों मे पूजन कर रानी के बलिदान को याद किया गया। अवंतीबाई लोधी महासभा के राष्ट्रीय तथा प्रदेश पदाधिकारियों द्वारा समाज जागृति के वक्तव्य दिए गए। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अवंतीबाई लोधी के वंशज द्वारा सामाजिक एकता, शिक्षा, आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। लोधी शिव नागपुरे ने समाज में नशा मुक्त समाज, सशक्त समाज का नारा दिया। समाज में फैली कुरीतियों जैसे दहेज प्रथा और मृत्युभोज पर पूर्ण पाबंदी लगाने का आहवान किया। साथ ही समाज के द्वारा सामूहिक शादी कराए जाने पर जोर दिया। ग्राम सहेसपुर मे मूर्ति दानदाता लोधी शिव नागपुरे का सहेजपुर अनावरण समिति द्वारा शाल श्रीफल और समाज गौरव पुरस्कार देकर सत्कार सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पुरुषोत्तम मोदी, ठकरेले, उमेश दमाहे, योगेश सुलकिया, शेरा सुलकिया, अमर आर्मर, डोलेंद्र सिंह, रामनारायण सिंह, पियूष सिंह, नीरज उपवंशी, संजय नागपुरे, जीत नागपुरे, नंदकिशोर बिरनवार, उमेश बंभारे सहित अवंतीबाई लोधी महासभा के पदाधिकारी उपस्थित थे। अवंतीबाई लोधी महासभा के सभी पदाधिकारियों ने भव्य रुप में जिले के हर गांव में बलिदान दिन मनाने और गांव-गांव जनजागृति होने पर गांव के सभी कमेटी का आभार व्यक्त किया।

डॉ. सोनल अग्रवाल ने हृदय रोगी के दातों का किया सफलतापूर्वक उपचार

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर की जानी-मानी दंत रोग विशेषज्ञ बेंगलुरु से गोल्ड मेडल प्राप्त डॉ. सोनल अग्रवाल ने एक हृदय रोगी व्यक्ति का सफलतापूर्वक दातों का उपचार किया है। उल्लेखनीय है कि इस उपचार के दौरान हृदय रोगी व्यक्ति का पेसमेकर यंत्र 3 घंटों तक बंद करके दाढ़ का इलाज कर आरसीटी करके उस पर कैप लगाई गई। उपचार के दौरान दांत का उपचार करते समय पेसमेकर इसलिए बंद किया गया कि विद्युत करंट लग सकता था। क्योंकि यंत्रों के द्वारा दातों का उपचार चालू रहता है। जिससे पेसमेकर इलेक्ट्रीफाइड हो सकता था। इस जोखिम पूर्ण इलाज करते समय हृदय रोग तज्ञ कार्डियोलॉजिस्ट एवं पेसमेकर तज्ञ की विशेष निगरानी भी रखी गई थी। डॉ. सोनल द्वारा नागपुर सहित पूर्व में प्रथमबार इस प्रकार से हृदय रोगी का सफलतापूर्वक उपचार किया है।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

आदिवासी विविध कार्यकारी सहकारी संस्था देवरी

धान गोदाम में लगी आग

हजारों क्विंटल धान हुआ खराब

आग लगी या लगाई गई? इस पर प्रश्न चिन्ह

बुलंद संवाददाता देवरी - गोंदिया जिले के देवरी तहसील के देवरी शहर में आदिवासी विकास महामंडल के माध्यम से आदिवासी विविध कार्यकारी संस्था देवरी द्वारा खरीदे गए धान के गोदाम में 22 मार्च की दोपहर 4 बजे के दौरान अचानक आग लग गई। आग लगी है या लगाई गई है? इस पर प्रश्न चिन्ह निर्माण हो रहा है।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले में प्रतिवर्ष अनुसार आदिवासी विकास महामंडल व जिला मार्केटिंग फेडरेशन के माध्यम से किसानों से आधारभूत सेंटरों पर बड़े पैमाने पर धान की खरीदी की जाती है। जिसमें देवरी के आदिवासी विविध कार्यकारी संस्था के माध्यम से खरीदे गए हजारों क्विंटल धान के गोदाम में 22 मार्च की दोपहर अचानक आग लग गई। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार उपरोक्त खरीदी सेंटर पर बड़े पैमाने पर खरीदे गए धान का घोटाला हुआ है। जिसमें हजारों क्विंटल धान स्टाक में मौजूद नहीं है। गबन को दबाने के लिए यह आग लगाई गई है या स्वयं लगी है? इस पर प्रश्नचिन्ह निर्माण हो रहा है। इस घटना की गंभीरता से जांच किए जाने पर एक बड़ा घोटाला सामने आ सकता है। विशेष यह है कि खरीदा गया धान खुले में स्थान पर रखा गया था, जिसे त्रिपाल की सहायता से ढका गया था। आग लगने की घटना होने पर आग बुझाने के दौरान अग्निशमन विभाग द्वारा बड़े पैमाने पर पानी का उपयोग किया गया। जिससे धान और भी अधिक खराब हुआ है। जिससे घोटाले को दबाने में संस्था को काफी मदद मिलेंगी।

इस संदर्भ में संस्था के सचिव एम.एस. मेले द्वारा जानकारी दी गई कि करीब 15 से 16 हजार क्विंटल धान खरीदा गया था। आग लगने की घटना सामने आने पर तत्काल देवरी अग्निशमन विभाग की सहायता से आग पर काबू पाया गया।

वर्षों से कर रहे पुनर्वसन का इंतजार

बिरसी एयरपोर्ट गेट के सामने प्रकल्पग्रस्तों ने प्लाटिंग कर किया भूमिपूजन

बुलंद संवाददाता खातिया - गोंदिया तहसील के अंतर्गत आनेवाले ग्राम बिरसी में बिरसी एयरपोर्ट के निर्माण के दौरान ग्राम के 106 परिवारों को विस्थापित किया गया था। उन्हें फिर से पुनर्वसन करने का आश्वासन प्रशासन व बिरसी एयरपोर्ट द्वारा दिया गया था। किंतु 15 वर्षों से पुनर्वासन नहीं हो पाने के चलते पीड़ित परिवारों द्वारा 21 मार्च को एयरपोर्ट के मुख्य द्वार के सामने की भूमि पर प्लाटों की मार्किंग की गई तथा 22 मार्च को विधिवत भूमि पूजन कर गृह निर्माण कार्य शुरु किया गया। इस दौरान बिरसी एयरपोर्ट प्रशासन व जिला प्रशासन का कोई भी अधिकारी उपस्थित नहीं था।

गौरतलब है कि बिरसी एयरपोर्ट के निर्माण के लिए 106 परिवारों को विस्थापित किया गया था। जिन्हें वर्ष 2007 को पुनर्वसन करने का आश्वासन जिला प्रशासन द्वारा दिया गया था। जिसमें 106 परिवार गत 15 वर्षों से पुनर्वसन किए जाने का इंतजार कर रहे थे। किंतु इतने वर्ष बीत जाने के बावजूद प्रशासन द्वारा सिर्फ आश्वासन ही दिए जा रहे था। जिसके चलते त्रस्त होकर बिरसी ग्राम के 106 परिवारों द्वारा एयरपोर्ट के मुख्य द्वार के सामने 21 मार्च को प्लाटों की मार्किंग की गई तथा 22 मार्च को मकान निर्माण के लिए विधिवत भूमिपूजन भी किया गया। विशेष यह है कि इस दौरान बिरसी एयरपोर्ट प्रशासन व स्थानीय जिला प्रशासन का कोई भी अधिकारी उपस्थित नहीं था। पुनर्वसन का इंतजार करते हुए प्रकल्पग्रस्त के मकान जर्जर हो चुके हैं। जिससे भविष्य में कभी भी गंभीर हादसा घटित हो सकता था। अब इन खस्ताहाल मकान में किस प्रकार रहे, ऐसा गंभीर प्रश्न प्रकल्पग्रस्तो के समक्ष था। विशेष यह है कि अपनी इस मांग को लेकर अनेकों बार धरना आंदोलन भी किया गया, किंतु हर बार प्रशासन द्वारा उन्हें सिर्फ आश्वासन देकर जल्द कार्रवाई करने का लॉलीपॉप थमाता आया है। जिससे त्रस्त होकर प्रकल्पग्रस्तो ने यह मार्ग अपनाया है।

अब तक नहीं मिले प्लाट कब बनाएंगे मकान

बिरसी प्रकल्पग्रस्तो द्वारा अनेकों बार निवेदन दिया गया, किंतु इसके बावजूद भी जिला प्रशासन व बिरसी विमानतल प्रशासन द्वारा 15 वर्षों से अनदेखी व लापरवाही की जा रही है। उनकी इस गलत नीति व आश्वासनों के चलते पुनर्वसन नहीं हो पा रहा है। जिसके प्रकल्पग्रस्त द्वारा एयरपोर्ट के मुख्य द्वार पर मकान बनाने का निर्णय लिया है।

- रविंद्र तावाडे, पूर्व सरपंच बिरसी

दर्जनों गांवों की पुरी रात रही बिजली गुल

ग्रामीणों ने जागकर बिताई रात

बुलंद संवाददाता रावणवाड़ी - रावणवाड़ी उप विधुत केंद्र अंतर्गत आनेवाले दर्जनों गांवों की 19 मार्च रात 10 बजे से बिजली गुल होने से नागरिक ने पुरी रात विधुत बाहली की राह देखते हुये जागकर बिताई। लेकिन रविवार को भी बिजली शुरु नहीं हो पाई थी।

गोंदिया तहसील अंतर्गत आनेवाले चारगांव, सिरपुर, मोगरा, मुरपार आदि गांव में शनिवार की रात से विद्युत आपूर्ति खंडित होने से विभाग की लापरवाही के प्रति आक्रोशित नजर आऐ। विद्युत उपभोक्ताओं को रावनवाडी विद्युत कर्मचारी के लापरवाही की वजह से शनिवार की रात जागकर बितानी पडी। विद्युत विभाग की लापरवाही का खामियाजा उपभोक्ताओं को भुगतान पड़ रहा है। संबंधित लाईनमैन अपनी जवाबदारी नहीं निभा रहे है। इन गांवों में लगे विधुत प्रवाह तारे भी हवा में झुलते है, जिस वजह से कई बार बिजली गुल हो जाती है। 19 मार्च को तो विधुत विभाग के डिपी ट्रांसफार्म में खराबी आने से बनाधर फिटर के 12 गांव में बिजली गुल हो गई। लेकिन विधुत विभाग पुरी रात बिजली आपूर्ति करने की जहमत तक नहीं उठाया है। रावनवाडी उप विधुत विभाग के अंतर्गत आनेवाले संबंधित अधिकारी और कर्मचारी के चलते नागरिक पुरी रात मच्छरों से परेशान रहे और लाईट आने की रहा देखते रहे। विधुत आपुति रविवार दोपहर तक शुरु नहीं होने से किसान भी अपनी फसलों को सिंचाई नहीं कर पाये। सैकडो विधुत उपभोक्ताओं ने मांग कि है कि लापरवाही बरतने वालो पर कार्रवाई कर बिजली गुल की समस्या से उन्हें छुटकारा दिलाऐ।

छ.शिवाजी महाराज स्मारक का भूमिपूजन

बुलंद संवाददाता अर्जुनी मोर - हिंदू हृदय सम्राट छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर अर्जुनी मोरगांव तहसील में विभिन्न स्थानों पर शिवसेना द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर वंदना की गया। इसके साथ ही अर्जुनी मोरगांव में छत्रपति शिवाजी महाराज चौक में निर्माण किए जाने वाले भव्य शिव स्मारक का भूमि पूजन किया गया।

पाठशाला की इमारत हुई जर्जर, विद्यार्थियों की जान को खतरा

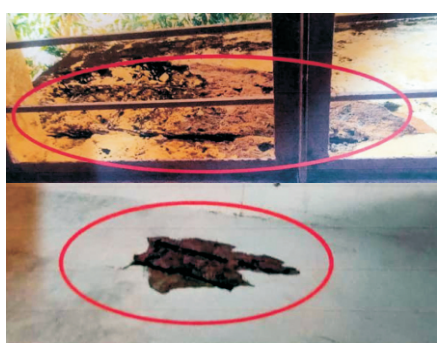

बुलंद संवाददाता सालेकसा - पंचायत समिति सालेकसा अंतर्गत आनेवाले जिला परिषद हिन्दी उच्च प्राथमिक पाठशाला नानव्हा के स्कूल की इमारत की छत जर्जर हो गई है। इमारत के छत की सीलिंग से प्लास्टर उखड़ रहा है । लोहे की सरिया मे जंग लग गया है। जिससे छत के गिराने का खतरा बना हूआ है। जर्जर स्कूल की इमारत मे बच्चो के भविष्य की बुनियाद रखी जा रही है। लेकीन इससे नैनीहालो को जान का खतरा बना हूआ है।

पाठशाला मे 1 से 7 वी तक के कक्षाएँ है। जिसमे 123 छात्र व छात्राएँ नियमित अध्यनरत है। पाठशाला मे कक्षानुसार छात्रों के लिए परिपूर्ण व्यवस्था का अभाव होने दो कक्षाओं के छात्रो को एक ही कमरे मे बिठाना पड़ता है, जिससे उनके पढाई पर असर होता है। पाठशाला की इमारत मे छ: कमरे हैं, जिसमे से दो कमरे जर्जर हो चूके है। ऐसे मे बच्चो की जान पर खतरा बना रहता है। इतना ही नही यहां शिक्षकों का भी अभाव है। पालको ने जल्द से जल्द नई इमारत बनाने एवं शिक्षको की मांग प्रशासन से की है।

पाठशाला की इमारत के दो कमरे जर्जर हो चूके है इसकी लिखित रुप से जानकारी पाठशाला की ओर से ग्राम पंचायत प्रशासन को दे दी है। अब यहां नई इमारत की अति आवश्यक है।

- वाय.जी. मच्छिरके, मुख्याध्यापक

प्यार में आहत महिला वकील ने दी थी हत्या की सुपारी

सोनल शर्मा हमला प्रकरण में महिला वकील सहित १ आरोपी हिरासत में

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर के गणेश नगर परिसर में 9 मार्च की दोपहर 1 बजे के दौरान दिनदहाड़े कोरियर बाय के रुप में आरोपी द्वारा घर मे घुसकर गणेश नगर निवासी सोनल आशीष शर्मा (39) पर प्राणघातक हमला किया था। उपरोक्त मामले में गोंदिया पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई तथा प्यार में आहत महिला वकील सहित हमलावर आरोपी को हिरासत में लिया। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 9 मार्च की दोपहर 1 बजे के दौरान गणेश नगर निवासी सोनल आशीष शर्मा के घर में एक कोरियर बॉय के रुप में आरोपी द्वारा घुसकर धारदार हथियार से प्राणघातक हमला किया था, जिसमें उसकी एक महिला सहयोगी भी थी। लेकिन आरोपी द्वारा बरती गई चालाकी आरोपियों को लगा कि वे पकड़े नहीं जाएंगे, किंतु गोंदिया पुलिस द्वारा इस मामले को गंभीरता से लेकर कड़ाई से जांच कर भूसे के ढेर में से सुई खोजने जैसा एक अभियान चलाते हुए तकनीकी सहायता व गुप्त सूत्रों के आधार पर उपरोक्त मामले का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी रविशंकर वार्ड सिविल लाइन गोंदिया निवासी महिला वकील मौसमी मुखर्जी (44) जिसके द्वारा आरोपी को 4 लाख रुपए की सुपारी देकर महिला की हत्या करने के लिए भेजा था।

इस प्रकरण में हमलावर आरोपी टीबी टोली निवासी सूरज केशव रावते (50) को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना अपराध कबूल किया। जिसमें मामला इस प्रकार आया कि आरोपी महिला वकील का फरियादी महिला सोनल शर्मा के पति आशीष शर्मा से गत अनेक वर्षों से प्रेम प्रसंग था। जिस पर आरोपी महिला द्वारा उसे बार-बार विवाह के लिए दबाव बनाया जा रहा था। जिस पर आशीष शर्मा द्वारा विवाह के लिए इंकार करने के साथ ही कहा कि उसकी पत्नी व बच्ची है। जिससे आहत होकर आरोपी महिला वकील द्वारा अपने रास्ते का कांटा निकालने के उद्देश्य से आरोपी 4 लाख की सुपारी देकर यह हमला करवाया था। किंतु फरियादी महिला की बेटी श्रीयांशी के साहस से अपराधी के मंसूबे सफल नहीं हो पाए, अन्यथा उपरोक्त महिला की जघन्य हत्या की वारदात घटित हो सकती थी। मामले में जांच अधिकारी सपोनि सागर पाटिल द्वारा मामले का खुलासा करने के लिए तकनीकी सहायता व गोपनीय सूत्रों के आधार पर सफलतापूर्वक कर दोनों आरोपियों को धर दबोचा। उपरोक्त प्रकरण में फरियादी की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भादवि की धारा 324, 452, 34 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरु की गई थी। आरोपियों की हिरासत में आने के पश्चात उपरोक्त प्रकरण में धारा भादवि की धारा 307 भी लगाई गई है। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया जहां 20 मार्च तक उन्हें पुलिस हिरासत में न्यायालय द्वारा भेजा गया है। मामले की कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, अपर पुलिस अधीक्षक बनकर के मार्गदर्शन में गोंदिया शहर के पुलिस निरीक्षक महेश बंसोडे लोकल क्राइम ब्रांच के पुलिस निरीक्षक बबन आव्हाड़, सपोनि सागर पाटिल, पोहवा जागेश्वर उईके, सुदेश टेंभरे, पोना सुबोध बिसेने, प्रमोद चौहान, सतीश शेंडे, योगेश बिसेन, अरविंद चौधरी, पोशि छगन विठ्ठले, कुणाल बारेबार, पुरुषोत्तम देशमुख, विकास वेदक द्वारा की गई।

नवेगांव का ६0 वर्षों से प्रलंबित पांदन रास्ता बनकर तैयार

पुलिस बंदोबस्त में करना पड़ा अंतिम पड़ाव का कार्य

बुलंद गोंदिया - गोंदिया पंचायत समिति के तहत आनेवाले ग्राम नवेगांव (पा) में किसानों के खेती में आवागमन तथा कृषि कार्य के लिए अत्यधिक आवश्यक वर्षो से अटकें हुए पांदन-रास्ते का कार्य ग्राम पंचायत की पहल पर सफलता पुर्वक किया गया। करीब 60 वर्षो से प्रलंबित इस रास्ते के बन जाने से क्षेत्र के किसानों की समस्याओं का निवारण हो सका है। एक ओर जहां सरकार हर गाँव व खेतों को पक्के रास्ते से जोड़ने के कार्य मे जुटी हुई है, वही कुछ गावो में विकास कार्य राजनीति का शिकार होने की खबरें भी आती है।

गौरतलब है कि ग्राम पंचायत नवेगांव (पा) के कार्यक्षेत्र में आनेवाला यह पांदन-रास्ता पांढराबोडी और नवेगांव की सरहद पर होने की वजह से दोनों तरफ के किसान अपने खेत मे रास्ते के नही होने की बात पर अड़े हुए थे। इस रास्ते को बनाने के प्रयास अनेक बार किये गए किंतु सफलता नही मिल पाई थी। इस वर्ष ग्राम पंचायत नवेगांव ने अपने वार्षिक नियोजन के आधार पर प्रशासकीय मंजूरी लेकर सभी जरुरी प्रक्रिया पूरी कर इस रास्ते का निर्माण किया। तलाठी नक्शे में स्पष्ट रुप से दर्शित इस करीब 1 किलोमीटर लंबे मार्ग में 200 मीटर के अंतिम पड़ाव में कुछ भूमि मालिकों द्वारा बाधाए लाने का प्रयत्न किया गया, किंतु ग्राम पंचायत के आग्रह पर स्थानिक प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर अपर तहसीलदार, तहसीलदार तथा नायब तहसीलदार इनकी उपस्थिति में शिकायतकर्ता को समझाकर कार्य जारी रखने का प्रयत्न किया गया, किंतु विवाद बढ़ता देख अधिकारियों को मौके पर पोलिस बंदोबस्त लगवाकर निर्माण कार्य जारी रखने के आदेश देने पड़े।

मनरेगा के तहत जारी इस कार्य मे 150 से अधिक मजदूरों को रोजगार मुहैया किया गया। गावों में राजकीय इच्छाशक्ति की कमी की वजह से जहां महत्वपूर्ण विकास कार्यों का अटकना आम बात हो गयी है, वही अपने गाव के विकास के लिए अधिकारियों की मदत लेकर सीधे पोलिस बंदोबस्त में काम करवाने हेतु ग्राम पंचायत नवेगांव (पा) के विकास हेतु इस प्रतिबद्धता की संपूर्ण क्षेत्र में सराहना की जा रही है। उक्त कार्य मे सहयोग के लिए स्थानिक किसानों का ग्राम पंचायत सरपंच, उपसरपंच तथा सभी सदस्यों द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

शॉर्टसर्किट से घर जलकर खाक

महिला आर्थिक विकास महामंडल ने बढ़ाया मदद का हाथ

बुलंद संवादादाता दर्रेकसा - सालेकसा तहसील के ग्राम जमाकूड़ो के वार्ड क्रमांक 3 निवासी फूलकुंवरबाई कुराहे के ग्राम पंचायत के समीप घर में आग लग जाने से करीब 2 लाख का नुकसान हुआ है। घटना 20 मार्च के दोपहर 3 बजे के करीब घटित हुई। घटना के दौरान महिला अपने घर में मौजूद नहीं थी। गांव के लोगों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया किंतु उन्हें सफलता नहीं मिली। आग में घर का सामान जलकर पूरी तरह नष्ट हो गया। पीड़ित विधवा महिला ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई थी।

उक्त घटना की जानकारी मिलते ही महिला आर्थिक विकास महामंडल गोंदिया अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण जीवनोन्नती अभियान सालेकसा अंतर्गत जमाकूड़ो के निवासी पीड़िता विधवा महिला को जमाकूड़ो की ग्राम संस्था की ओर से 7500 की आर्थिक मदद वीआरएफ इस निधि से दी गई। इस समय सतीश मार्कण्ड सह जिला समन्वय अधिकारी, सुरेंद्र कुमार टेंभरे तहसील कार्यक्रम व्यवस्थापक, कामेश्वरी गोंडाने, ग्राम संस्था अध्यक्ष सीएमआरसी सचिव एवं अन्य महिलाएं उपस्थित थे।

पाहिजेत

कंत्राटी पद्धतीवर एफ.पी.ओ.करीता पद भरती

केंद्र सरकारच्या 10,000 एफ.पी.ओ. निर्माण आणि संवर्धन योजने अंतर्गत नाबार्ड द्वारा स्वीकृत अन्नदाता गोरेगाव फार्मर प्रोड्युसर कंपनी लिमीटेड करिता खालील पदाची तात्काळ कंत्राटी पद्धतीनुसार आवश्यकता आहे.

1. पदाचे नांव : सी.ई.ओ. (C.E.O.)
   पद संख्या : 01
   शैक्षणिक योग्यता : कृषी पदवीधर B.Sc. Agri / M.Sc. Agri / MBA - Agri / ABM (Agriculture Business Management)
   अनुभव : कमीत कमी 2 वर्ष (कृषी क्षेत्रात) आणि उत्तम मराठी, इंग्रजी भाषा, संवाद कौशल्य व कॉम्प्युटर चे ज्ञान असावे.

2. पदाचे नांव : अकाऊन्टंट (Accountant)
   पद संख्या : 01
   शैक्षणिक योग्यता : B.Com. / M.Com/
   अनुभव : कमीत कमी 1 वर्ष (Tally & Accounting Software)

अध्यक्ष : अन्नदाता गोरेगाव फार्मर प्रोड्युसर कंपनी लि.
तालुका गोरेगाव, जिल्हा गोंदिया
E-mail : annadatagoregaonfpo@gmail.com
E-mail : pcbhu6@gmail.com
या ई-मेल वर बायोडाटा सह अर्ज दि. 29-03-22 पर्यंत पाठवावे.
संपर्क : 8668536089, 8668331704, 8669044472

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८ । (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है । न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।